बारे में आई आई आई डी ई एम सेमिनार में सिफारिशें

सिफारिशें

- विधिक एवं विनियामक तंत्रों को वास्तविक रूप देना
- निर्वाचन लड़ रहे अभ्यर्थियों के रूप में महिलाओं की भागीदारी में वृद्धि
- संसाधन योजना, प्रबंधन और वितरण में सहभागिता सुनिश्चित करना
- सूचना, शिक्षा एवं संचार और अभियानों को निम्नलिखित के माध्यम से अधिक गति प्रदान करना:
    - नारे, रेडियो/दूरदर्शन जिंगल
    - रथ यात्रा
    - नागरिक निगरानी समूह
    - कठपुतली (पपेट) शो
    - नुक्कड नाटक
    - पोस्टर, गेम्स, बैनर्स तैयार करना
    - मेट्रो, बसों, ट्रकों, रेलगाड़ियों, टैक्सी के माध्यम से प्रचार द्वारा मतदाता पंजीकरण के महत्व के बारे में जेंडर जागरूकता सृजित करना
- सुव्यविस्थत क्षमता निर्माण पहलें:
    - राजनैतिक सशक्तिकरण, जेंडर सुग्राहीकरण, सामाजीकरण, संचार कौशलों का विकास और व्यक्तित्व विकास
    - नेटवर्किंग और सहयोग को सुदृढ़ करना
- राज्य निर्वाचन आयोगों पर अधिक ध्यान केंद्रित करना
- निर्वाचन कार्मिकों का जेंडर सुग्राहीकरण
- आसान पंजीकरण और आसान शुद्धि पर ध्यान केंद्रित करना
- विभिन्न ई आर ओ/डी ई ओ कार्यालयों में प्ररूपों, भाग 4 को भरने के तरीके के बारे में अनुदेशों को प्रदर्शित करना महत्वूपर्ण तथा मतदाता पंजीकरण के लिए आवेदन प्ररूपों को जेंडर के नजरिये से देखना
- घोषणाओं को अस्तित्व में लाना
- शासकीय दस्तावेजों में जेंडर-संवेदनशील भाषा - समावेशी भाषा की झलक तथा जेंडर निरपेक्ष शब्दों का प्रयोग
- लोगों में निवेश करना - शिक्षा, जागरूकता सृजन, क्षमता निर्माण और भागीदारी के माध्यम से सामाजिक पूंजी का निर्माण
- निर्वाचन लड़ने के लिए पात्र होने हेतु न्यूनतम शैक्षिक अर्हता नियत करना।
- लोकतंत्र को सुदृढ़ करना।
- हितधारियों (स्टेकहोल्डर्स) के बीच अधिकाधिक नेटवर्किंग और सहयोग।